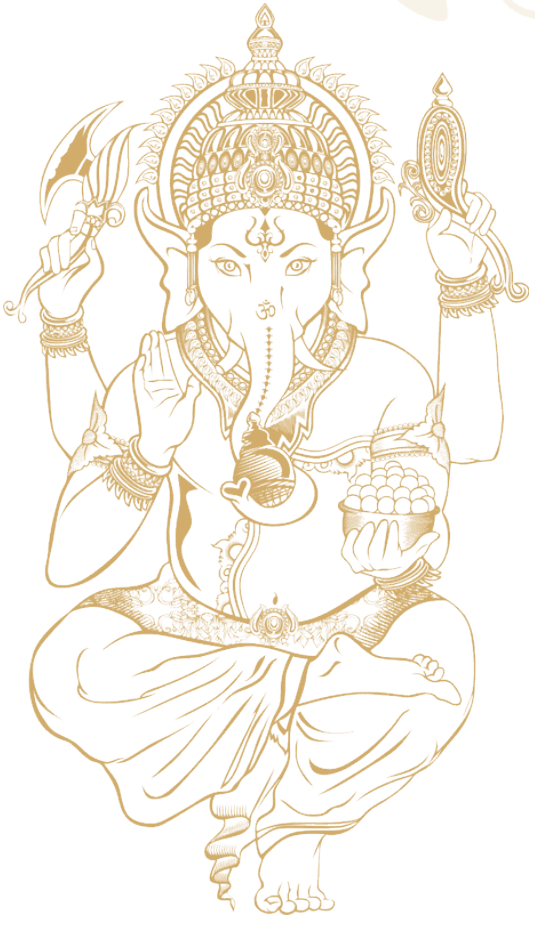

PRESHA PARMAR

11 Dec 1998

01:00 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 120842010

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/12/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	14:55:57 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:21:20 घंटे
वेलान्तर	00:06:53 घंटे
साम्पातिक काल	17:40:36 घंटे
सूर्योदय	07:01:37 घंटे
सूर्यास्त	18:02:05 घंटे
दिनमान	11:00:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:12:04 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:57:01 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	29:57:01	461:10:14	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	25:12:04	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	01:31:36	12:06:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	13:48:37	00:32:23	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	07:27:50	00:00:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु			कुंभ	25:37:13	00:05:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			धनु	05:34:58	01:15:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		मेष	03:14:13	00:01:59	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		सिंह	00:51:06	00:00:38	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:51:06	00:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:08:28	00:02:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:31:42	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:30:30	00:02:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	01:42:23	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:22

लग्न-चलित

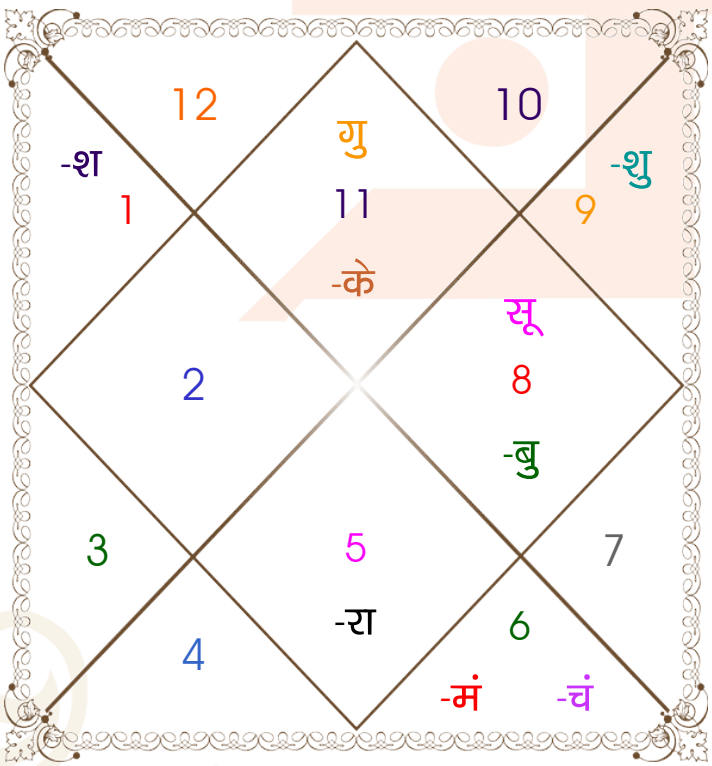

चन्द्र कुंडली

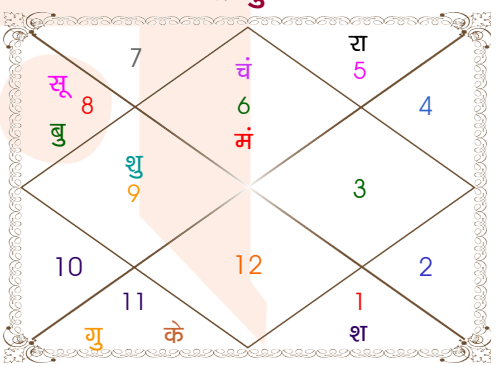

नवमांश कुंडली

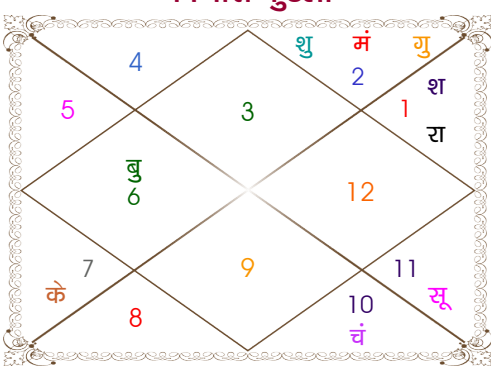

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/12/1998		04/10/2002		03/10/2012		04/10/2019		03/10/2037	
04/10/2002		03/10/2012		04/10/2019		03/10/2037		03/10/2053	
	00/00/0000	चंद्र	04/08/2003	मंगल	01/03/2013	राहु	16/06/2022	गुरु	22/11/2039
	00/00/0000	मंगल	04/03/2004	राहु	20/03/2014	गुरु	09/11/2024	शनि	04/06/2042
	00/00/0000	राहु	03/09/2005	गुरु	24/02/2015	शनि	16/09/2027	बुध	09/09/2044
	11/12/1998	गुरु	03/01/2007	शनि	04/04/2016	बुध	04/04/2030	केतु	16/08/2045
गुरु	10/08/1999	शनि	03/08/2008	बुध	01/04/2017	केतु	23/04/2031	शुक्र	16/04/2048
शनि	22/07/2000	बुध	03/01/2010	केतु	28/08/2017	शुक्र	22/04/2034	सूर्य	02/02/2049
बुध	29/05/2001	केतु	04/08/2010	शुक्र	28/10/2018	सूर्य	17/03/2035	चंद्र	04/06/2050
केतु	03/10/2001	शुक्र	04/04/2012	सूर्य	05/03/2019	चंद्र	15/09/2036	मंगल	11/05/2051
शुक्र	04/10/2002	सूर्य	03/10/2012	चंद्र	04/10/2019	मंगल	03/10/2037	राहु	03/10/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/10/2053		03/10/2072		03/10/2089		03/10/2096		04/10/2116	
03/10/2072		03/10/2089		03/10/2096		04/10/2116		00/00/0000	
शनि	06/10/2056	बुध	02/03/2075	केतु	02/03/2090	शुक्र	03/02/2100	सूर्य	22/01/2117
बुध	16/06/2059	केतु	27/02/2076	शुक्र	02/05/2091	सूर्य	03/02/2101	चंद्र	23/07/2117
केतु	25/07/2060	शुक्र	28/12/2078	सूर्य	07/09/2091	चंद्र	05/10/2102	मंगल	28/11/2117
शुक्र	25/09/2063	सूर्य	03/11/2079	चंद्र	07/04/2092	मंगल	05/12/2103	राहु	23/10/2118
सूर्य	06/09/2064	चंद्र	04/04/2081	मंगल	03/09/2092	राहु	05/12/2106	गुरु	12/12/2118
चंद्र	07/04/2066	मंगल	01/04/2082	राहु	21/09/2093	गुरु	05/08/2109		00/00/0000
मंगल	17/05/2067	राहु	18/10/2084	गुरु	28/08/2094	शनि	04/10/2112		00/00/0000
राहु	23/03/2070	गुरु	24/01/2087	शनि	07/10/2095	बुध	05/08/2115		00/00/0000
गुरु	03/10/2072	शनि	03/10/2089	बुध	03/10/2096	केतु	04/10/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।